डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 07 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

खानशेर और शानू जैल गए

✲ मालवा में था पुलिस का डर, इसलिए भोपाल में लगाई ड्रग्स फैक्टरी ✲ घायल प्रेमसुख अस्पताल में भर्ती, नहींहो पा रही पूछताछ ✲ कागज लेकर गई एनसीबी-एटीएस की टीम

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस द्वारा उठाए गए आदतन आरोपी खानशेर लाला और शानू नाटराम को न्यायालय ने जैल भेज दिया है। इधर प्रेमसुख के रिश्तेदारो की सोमवार को भी जमानत नहीं हो पाई। उन्हें प्रतिबंधात्मक धारा 151 के तहत पेश किया गया था। अब उनके अभिभाषक सत्र न्यायालय में अपील करेंगे। इधर प्रेमसुख के भांजे हथुनिया निवासी जितेन्द्र पिता जगदीश पाटीदार को भी पुलिस द्वारा कई दिनो पूर्व से उठा लिए जाने की बात कही जा रही है। लेकिन, उसे अभी तक किसी भी मामले में पेश नहीं किया गया है। उसके लिए भी अभिभाषक हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में अपील कर रहे है। दूसरी तरफ हरीश आंजना और प्रेमसुख की जुगलबंदी की कई कहानियां सामने आ रही है। पहले मालवा के इंदौर में ड्रग्स फैक्टरी लगाने की योजना थी। लेकिन, बाद में इसे भोपाल में लगाया गया। इसके पीछे प्रमुख कारण मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, इंदौर की पुलिस नारकोटिक्स अर्थात अफीम और उसके सहउत्पादो की धरपकड़ के मामलो में ज्यादा एक्टिव रहती है। यहां सीबीएन और पुलिस की नारकोटिक्स सेल भी सक्रिय रहती है। इसलिए ड्रग्स फैक्टरी को मंदसौर या इंदौर की बजाय भोपाल में लगाया गया।

खपा डाली थी चार सौ किलो ड्रग्स..!

सूत्रो की बात पर भरोसा करें तो भोपाल फैक्टरी में तैयार की गई एनडी ड्रग्स 400 किलो मंदसौर और प्रतापगढ़ में खपा दी गई थी। हरीश के जरिए यह नशा शोएब लाला तक पहुंचता था। और शोएब प्रतापगढ़ में बनाए गए सप्लाई सेंटर से देश के अन्य राज्यों में एमडी ड्रग्स की तस्करी करता था। इन राज्य के सीमावर्ती जिलों में यह डील की जाती थी।

बताया गया है कि सान्याल माने, अमित चतुर्वेदी ड्रग्स बनाने के बाद हरीश आंजना के जरिए ही खपाते थे। ड्रग्स खपाने की जिम्मेदारी हरीश आंजना की थी। वह प्रेमसुख पाटीदार के जरिए शोएब लाला और उस जैसे दर्जन भर से ज्यादा ड्रग पेडलरो से सीधे संपर्क में था। यह गिरोह राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पंजाब के बीच बड़ा कारोबार करता था। एमडी ड्रग्स बनाने के लिए रॉ मटेरियल की खरीदी भी इन्हीं के बीच होती थी।

जांच में राजस्थान पुलिस को भी किया शामिल...

एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री चलाने वाले आरोपियों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की पूछताछ में खुलासे के बाद इस कार्रवाई में राजस्थान पुलिस को भी शामिल किया जा रहा है। राज्य की इंटेलिजेंस विंग को तस्करों के खिलाफ पुख्ता जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, तस्कर गिरोह से जुड़े लोगों को सर्विलांस पर रखा गया है, उनकी मिनट-टु-मिनट वॉचिंग हो रही है।

इनका कहना– इस संबंध में मंदसौर पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद से चर्चा करना चाही। लेकिन, उनका मोबाईल नो रिप्लाय रहा।

अब खून की बॉटलें मांग रहा मच्छर..!

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अब डेंगू का मच्छर खून मांग रहा है। जी हां.. कुछ समय पहले मलेरिया से निपटना भारी पड़ता था। जैसे– तैसे स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से मलेरिया कंट्रोल में हुआ तो डेंगू सक्रिय हो गया। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बीते सात सालों में सिर्फ 2021 में डेंगू के सौ से अधिक मरीज जिले में मिले थे। एक बार फिर इस साल यह आंकड़ा सौ के पार पहुंच गया है। डेंगू के मरीजों की संख्या 103 तक पहुंच गई है। बीते पद्रह दिनों में डेंगू के शिकार लोगों की संख्या बढ़ी है। इधर जिले में लार्वा फिवर सर्वे पूरा नहीं हुआ है। वहीं गम्बुशिया मछलियां पानी के गड्ढों में छोड़ने का काम भी गति नहीं पकड़ पाया है। इसलिए फिलहाल डेंगू का खतरा सिर पर मंडरा रहा है। सरकारी आंकड़े 103 डेंगू के मरीज बता रहे हैं। जबकि, सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों में भी डेंगू के लक्षण लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। बता दे कि 2022 में डेंगू के मरीजों की संख्या सिर्फ 09 थी। जबकि, पिछले साल यह आंकड़ा 57 तक पहुंच गया था। वहीं इस बार डेंगू शतक पूरा कर चुका है।

मलेरिया कंट्रोल में, डेंगू का शतक

कुछ सालों में जिले में मलेरिया लगभग कंट्रोल हो गया है। दस सालों में मलेरिया मरीजों में 15 गुना तक गिरावट दर्ज हुई है। दूसरी तरफ डेंगू का खतरा तेज हो रहा है। दो साल बाद एक बार फिर डेंगू कहर बरपा रहा है। इनमें बारिश बाद जमा पानी से संक्रमण का खतरा अधिक होता है। गतवर्ष भी जिले में सितंबर से दिसंबर में डेंगू के मरीज तेजी से मिले थे। मलेरिया की बात करें तो 2015 में मलेरिया के 389 मरीज मिले थे। इसके बाद निरंतर इनमें कमी होती गई। इस वर्ष अभी तक मलेरिया के महज 25 मरीज ही सामने आए है। वहीं डेंगू से निपटने में स्वास्थ्य विभाग इस बार नाकाम नजर आ रहा है। एक दो दिन पहले हुई बारिश के चलते फिर से डेंगू का खतरा और बढ़ गया है। शहर में जगह-जगह भरा पानी है। डेंगू का लार्वा साफ व बारिश के पानी में पनपता है। शहर में जगह-जगह खुले मैदान, बगीचों, रोड किनारे गड्ढों व खाली भूखंड में बारिश का पानी जमा हो रहा है। इससे लार्वा का खतरा और बढ़ गया है।

प्लेटलेट्स की मांग बढ़ी...

निजी अस्पतालों में भी डेंगू के मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। ऐसे में ब्लड डोनर की आवश्यकता बड़ी संख्या में पड़ रही है। एक माह में करीब पचास यूनिट प्लेटलेट्स मरीजों को दी जा चुकी है। जिले में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ते ही उनको लगने वाले प्लेटलेट्स की मांग भी अधिक हो गई है। वर्तमान में बड़े अस्पताल में विभाग द्वारा एक यूनिट से रेड ब्लड सेल, प्लाज्मा एवं प्लेटलेटस को अलग-अलग किया जा रहा है। डेंगू के मरीजों को चिकित्सकों की सलाह पर प्लेटलेटस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एक माह में बड़े अस्पताल से करीब पचास यूनिट प्लेटलेटस मरीजों को उपलब्ध कराये जा चुके है।

ये हैं डेंगू के लक्षण और प्रकार...

डेंगू के लक्षणों में साधारण बुखार होता है और किशोरों एवं बच्चों में आसानी से पहचान नहीं होती। डेंगू में 104 फेरेनहाइट डिग्री का बुखार होता है, जिसके साथ इनमें से कम से कम दो लक्षण होते हैं। जैसे सिरदर्द, मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ो में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी लगना, आंखों के पीछे दर्द, ग्रंथियों में सूजन, त्वचा पर लाल चकत्ते होना।

हल्का बुखार – इसके लक्षण मच्छर के दंश के एक हफ्ते बाद देखने को मिलते हैं।

रक्तस्रावी बुखार – लक्षण हल्के होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे कुछ दिनों में गंभीर हो सकते हैं।

शॉक सिंड्रोम – यह डेंगू का एक गंभीर रूप है और यहां तक कि यह मौत का कारण भी बन सकता है।

डेंगू से बचाव के लिए ये करें उपाय...

पानी साफ रखें– एडीज मच्छर साफ और स्थिर पानी में पनपता है। पानी के बर्तन या टंकी को हर समय ढंककर रखें और यदि आवश्यक हो तो एक उचित कीटाणुनाशक का उपयोग करें। टंकी व टैंक में तेल भी डाल सकते हैं, जिससे लार्वा नष्टहो जाता है। किसी भी बर्तन या सामान को उल्टा करके रखें।

त्वचा को खुला न छोड़े – अपनी त्वचा की सतहों को ढंकने और मच्छर के दंश की आशंका को कम करने के लिए लंबी पेंट और पूरी बाजू की शर्ट पहनने की कोशिश करें। डेंगू के मच्छर सुबह या शाम को अत्यधिक सक्रिय होते हैं, इसलिए ऐसे समय में बाहर निकलने से बचने की कोशिश करें।

पांचवी-आठवी बोर्ड परीक्षा में सरल होंगे प्रश्न, पैटर्न जारी किया

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने 5वीं और 8वीं का परीक्षा पैटर्न जारी कर दिया है। प्रदेश के स्कूलों में पांचवीं, आठवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र में कठिन प्रश्न कम होंगे और औसत सवाल ज्यादा होंगे। वहीं ऐसे प्रश्न कम होंगे, जिनके जवाब बड़े हैं। परीक्षा तैयारी में विद्यार्थियों को आसानी हो, इसके लिए प्रश्नपत्र का ब्लू प्रिंट अभी से जारी हो गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र दोनों कक्षाओं की परीक्षा आयोजित कराएगा। प्रदेश से करीब 50 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र से जारी ब्लू प्रिंट के मुताबिक दोनो कक्षाओ के लिए प्रश्नपत्र में 26 प्रश्न होंगे। इनमें से बहु विकल्पीय और रिक्त स्थान भरने वाले प्रश्नपत्र 5-5 होंगे। हर प्रश्न पर एक नंबर रहेगा। वहीं लघु उत्तरीय और अति लघु उत्तरीय प्रश्नों की संख्या 6-6 होगी। यह12 और 16 अंकों के होंगे। प्रश्नपत्र में चार ऐसे प्रश्न होंगे जिनके जवाब देने की शब्द सीमा 100 है। इन्हें दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की श्रेणी में रखा गया है। इन पर 20 अंक होंगे। बता दें कि एमपी बोर्ड द्वारा 5वीं और 8वीं में भी बोर्ड परीक्षा ली जाती है। एमपी की तरह राजस्थान बोर्ड भी 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन करती है। हालांकि बहुत कम स्टेट में 5वीं, 8वीं बोर्ड परीक्षा का सिस्टम लागू है।

एमडी ड्रग मामले में एक और आरोपी पर मामला दर्ज

रिमांड खत्म होने पर पहले गिरफ्तार दोनों आरोपियों को भेजा जैल

मल्हारगढ़, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस द्वारा पकड़ी गई एमडी ड्रग्स मामले में रिमाण्ड पर चल रहे आरोपियों ने एक ओर आरोपी का नाम शामिल होना बताया, जिसके खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं पहले गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रिमांड समाप्त होने पर जैल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार मल्हारगढ़ पुलिस ने बीती 06 अक्टूबर को 500 ग्राम एमडी ड्रग्स व 5 किलो पीसा हुआ डोडाचूरा समेत लदूना निवासी राजेश पिता शांतिलाल माली व अंकित पिता मोतीलाल माली को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने उक्त मादक पदार्थ पालाखेड़ी निवासी रोहित परमार से लाना बताया था, जिसे भी पुलिस ने सह अभियुक्त बनाया था। आरोपियों को कोर्ट ने तीन दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा था। रिमाण्ड अवधि के दौरान आरोपियों ने बताया कि रोहित को भी उक्त मादक पदार्थ लदूना निवासी दीपक मोड़ ने दिया था। इस आधार पर पुलिस ने दीपक को भी 8/29 का आरोपी बनाया है। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रिमाण्ड अवधि समाप्त होने के बाद जैल भेज दिया था। वहीं रोहित व दीपक की तलाश जारी है।

घासीराम के हत्यारोपी मछली ठेकेदार के दो गुर्गे गिरफ्तार

गरोठ, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बीती 09 सितंबर को ग्राम मोलाखेड़ी खुर्द में लखमखेड़ा निवासी घासीराम मीणा की अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर शव को चंबल नदी के किनारे फेंक दिया गया था । इस मामले में गांधीसागर के मछली ठेकेदार कंपनी के कर्मचारी रविंद्र शर्मा, दीपक जाट, कपिल शर्मा, मोहित शर्मा, अजय शर्मा के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओ के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। आरोपियों की तलाश चण्डीगढ़, दिल्ली, हरियाणा के हिसार मे आरोपीयो के निवास स्थान एवं छिपने के संभावित स्थानो एवं रिश्तेदारों में की गई थी। आरोपियो की गिरफ्तारी नहीं होने से गुस्साए ग्रामीणो ने कुछ दिन पूर्व भी मछली ठेकेदार की गाड़ी रोक ली थी और पुलिस के पहुंचने पर पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त किया गया था।

इधर मुखबीर सूचना पर हरियाणा निवासी रविंद्र शर्मा एवं मोहित शर्मा को गांधीसागर रोड पर हिंगलाज रिसोर्ट के पास से गिरफ्तार किया गया। मामले में गिरफ्तार आरोपियो को गरोठ न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। रविंद्र शर्मा एवं मोहित शर्मा ने पुछताछ में मृतक घासीराम मीणा की हत्या मछली खरीदी के पुर्व के बकाया 50 हजार रुपये के लेन देन को लेकर स्पीड बोट मे बैठाकर डंडे से मारपीट कर एवं चिल्लाने पर गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को ग्राम मोलाखेडी खुर्द मे चम्बल नदी के किनारे फेंक कर मोके से फरार होना बताया गया। सभी आरोपी मछली कंपनी के कर्मचारी है तथा मछुवारों तथा आसपास के ग्रामवासियों से मछली चोरी कराकर अवैध लाभ कमाते थे। मामले के तीन अन्य आरोपी दीपक जाट , कपिल शर्मा, अजय खाती सभी निवासी हरियाणा की तलाश जारी है।

भैंस से बाईक टकराई, निर्दलीय पार्षद की मौत

मनासा, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। रामपुरा थाना क्षेत्र के गांधी सागर–रामपुरा मार्ग पर करणपुरा गांव के पास रविवार रात एक बाइक सड़क पर बैठी भैंस से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें रामपुरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक राजस्थान के रामगंज मंडी नगर पालिका का निर्दलीय पार्षद बताया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान के रामगंज मंडी नगर पालिका के वार्ड नंबर 27 से पार्षद अमन यादव रविवार देर शाम दो दोस्तों के साथ नीमच से रामगंज मंडी लौट रहा था। इस दौरान रामपुरा-गांधी सागर के बीच करणपुरा गांव के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक सड़क पर बैठी भैंस से टकरा गई। हादसे में अमन यादव की मौत हो गई। जबकि, उनके दोनों साथी कुशाल और विशाल घायल हो गए।

बताया गया है कि अमन यादव का विवाह करीब 2 साल पहले हुआ था। उनकी एक 10 महीने की बेटी भी है। वहीं, पार्षद के शव का सोमवार को रामपुरा के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। मामले में रामपुरा थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बेखौफ, निडर, स्वच्छ पत्रकारिता
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 18 वर्ष पूर्ण होकर 19 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
पंकज सेठिया
'बिसलरी'

''साजिशे लाखों बनती हैं, उनकी हस्ती मिटाने की।
बस 'दुआएं' हम लोगो की उन्हें 'मुकम्मल' नहीं होने देती'' ॥
मालवांचल के प्रमुख, जनता के अपने
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 18 वर्ष पूर्ण होकर 19 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
****** बधाईकर्ता ******
शुभम कुमावत
(आर्किटेक्ट)
संतोष पेंट, मंदसौर (म.प्र.)

बेखौफ, निडर, स्वच्छ पत्रकारिता
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 18 वर्ष पूर्ण होकर 19 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
**** बधाईकर्ता ****
घनश्याम तोमर
बालागंज मंदसौर

विचार-मंथन

आसियान में पीएम मोदी का चीन पर निशाना

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान के लाओस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने एक बार फिर एकजुटता की जरूरत रेखांकित की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया के कई देश परस्पर संघर्ष में उलझे हुए हैं और इसके चलते अनेक आर्थिक समस्याएं चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। विकसित कहे जाने वाले देश भी मंदी और सुस्त अर्थव्यवस्था से पार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी स्थिति में दक्षिण एशियाई देशों से परस्पर सहयोग और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। दक्षिण एशिया के सभी देश चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते किसी न किसी रूप में असहज महसूस करते हैं। इसलिए सभी ने शिखर सम्मेलन के मंच से चीन की खुल कर आलोचना की। प्रधानमंत्री ने चीन का नाम लिए बगैर कहा कि हमारी नीति विकासवादी होनी चाहिए, न कि विस्तारवादी। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सक्रियता के मद्देनजर उन्होंने समुद्री गतिविधियों के संबंधित कानूनी ढांचे 'अनक्लोस' के तहत ही संचालित किए जाने पर बल दिया। निगरानी की आजादी और वायु क्षेत्र सुनिश्चित करने की जरूरत भी रेखांकित की। इस पर एक ठोस और प्रभावी आचार संहिता बनाने तथा क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश लगाने की कोशिशों पर विराम लगाने के उपाय तलाशने की जरूरत भी बताई। दरअसल, चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण न केवल दक्षिण एशिया, बल्कि दूसरे कई देशों में भी कई तरह की परेशानियां पैदा हो गई हैं। चीन ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि तेजी से विकास कर रहे और विकसित देश संघर्षों में उलझे रहें और वह उनके बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखे। मगर चूंकि भारत अब विकसित देश बनने के पायदान चढ़ रहा है और उसके प्रयासों से वैश्विक दक्षिण देश अपना एक नया बाजार बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं, चीन की चिंता स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। दक्षिण चीन सागर में उसने इसीलिए अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। कुछ समय पहले हुए क्वाड सम्मेलन में भी भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों पर नकेल कसने की जरूरत रेखांकित की थी। दरअसल, अब विकसित देशों को भी महसूस होने लगा है कि दक्षिण एशियाई देशों के सहयोग के बिना चीन को टक्कर देना संभव नहीं है। इन देशों को एकजुट रखने में भारत की अहम भूमिका है। हालांकि आसियान का गठन आर्थिक मामलों में पश्चिम के विकसित देशों, चीन और रूस के वर्चस्व को तोड़ कर अपना एक बाजार विकसित करने और इस क्षेत्र में शांति और सहयोग बनाए रखने के मकसद से हुआ था। इसका असर भी दिखने लगा है। फिलहाल जिस तरह रूस और यूक्रेन लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और उसके चलते पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। फिर इजराइल और हमास के संघर्ष का दायरा बढ़ा है और उसमें विश्व की दूसरी ताकतों के भी कूद पड़ने की आशंका जाहिर की जा रही है, आसियान देशों की भूमिका आने वाले समय में और महत्वपूर्ण होने वाली है। निस्संदेह अगर आसियान देश इस स्थिति में एकजुटता और परस्पर सहयोग बनाए रखते हैं, तो इस क्षेत्र को वैश्विक संघर्षों की आंच कम से कम प्रभावित कर पाएगी।

महबूबा अपनी पार्टी को आगे नहीं बढ़ा पाई...

नीरज कुमार दुबे

महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। पहले इस साल हुए लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जो झटका लगा है उसके चलते इस पार्टी के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। देखा जाये तो अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद से पीडीपी एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाई ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा, इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। यही नहीं, महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं। हम आपको याद दिला दें कि महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था लेकिन जनता ने उनकी किसी उम्मीद को पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दर्शाता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया। वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी। वैसे पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी

किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। हम आपको बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को रसातल में पहुँचा चुकी हैं। देखा जाये तो आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होती रहीं महबूबा मुफ्ती के परिवार की वजह से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा लेकिन इन लोगों ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया और उनके प्रति नरम रुख बनाये रखा। हम आपको याद दिला दें कि मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद जब 1989 के अपने अपहरण से जुड़े मामले में साल 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुई थीं तो उस दौरान उन्होंने सिर्फ जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पहचान अपने अपहरणकर्ताओं के रूप में की। उन्होंने किसी अन्य को नहीं पहचाना था। इस पर महबूबा ने कहा था कि लंबा वक्त बीत जाने पर लोग बहुत कुछ भूल जाते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1989 में अपहरणकर्ताओं ने उन्हें पांच आतंकवादियों की रिहाई के बदले रिहा किया था। 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। रुबैया का अपहरण घाटी के अस्थिर इतिहास की एक प्रमुख घटना माना जाता है। उनकी आजादी के बदले जेकेएलएफ के पांच सदस्यों की रिहाई को आतंकी समूहों का मनोबल बढ़ाने वाले कदम के रूप में देखा गया था, जिन्होंने उस समय सिर उठाना शुरू किया था। रुबैया को आठ दिसंबर 1989 को श्रीनगर के लाल डेड अस्पताल के पास से अगवा कर लिया गया था। 13 दिसंबर 1989 को केंद्र की तत्कालीन वीपी सिंह सरकार द्वारा पांच आतंकियों को रिहा किए जाने के बाद अपहरणकर्ताओं ने उन्हें रिहा कर दिया था। हम आपको बता दें कि विधि स्नातक 56 वर्षीय महबूबा ने 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया था। यह वह समय था जब आतंकवाद अपने चरम पर था। वह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य की पहली और अंतिम महिला मुख्यमंत्री थीं। 65 वर्षीय पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था लेकिन जनता ने उनकी बात नहीं सुनी। वैसे वर्ष 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आईं महबूबा ने पीडीपी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि क्षेत्र की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को उसके गठन के चार साल के भीतर सत्ता से बाहर कर दिया था। वर्ष 2002 में 16 सीटें जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 और 2014 के विधानसभा चुनाव में 28 हो गई थी। महबूबा चार बार विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की। वह 2004 और 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए चुनी गई थीं। बहरहाल, अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही पीडीपी को चाहिए कि वह अपनी सोच और नीतियों में बदलाव लाये और देश के साथ खड़ी हो। पीडीपी को देखना चाहिए कि जिस पाकिस्तान से बातचीत की वह बार-बार हिमायत करती है उसने इस बार के चुनाव में पीडीपी का नहीं बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन कर दिया था। देखा जाये तो इसे ही कहते हैं।

एक-दूसरे की परिस्थितियों, दुखों और खुशियों को समझें

मुनीष भाटिया

अगर हम अपनी सारी क्षमताओं और उपलब्धियों को एक तरफ रख दें, लेकिन अपनी इंसानियत को नहीं सजाएं, तो वास्तव में हमारी जीवन यात्रा अधूरी रह जाती है। किसी की परिस्थिति को समझने और उससे संबंधित होना इंसानियत की एक महत्वपूर्ण निशानी है। जब हम दूसरों की समस्याओं और चुनौतियों को समझने की कोशिश करते हैं, तो हम एक संवेदनशील और सहानुभूति से भरे हुए व्यक्ति बनते हैं, बल्कि हमें यह भी अहसास होता है कि हमारी अपनी समस्या कितनी छोटी हो सकती है। दूसरों की स्थिति और अनुभवों को समझना हमें अधिक सहानुभूतिशील और करुणामय बनाता है। यह हमें न केवल बेहतर इंसान बनाता है, बल्कि हमें समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा भी देता है। इंसानियत का सार वास्तव में यही है कि हम एक-दूसरे की परिस्थितियों, दुखों और खुशियों को समझें और उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाएं। हमारे विकास और हमारी उपलब्धियों से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि हम एक इंसान के रूप में क्या हैं। यह विचारशीलता, संवेदनशीलता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान और दया की भावना को समेटता है। जब हम अपनी इंसानियत को प्राथमिकता देते हैं, तो हम सच्चे मायनों में जीने लगते हैं और हमारे कार्यों में एक गहरा अर्थ आ जाता है। इस दृष्टिकोण से सच्चे अमीर और सफल वही हैं जो अपने जीवन में पूर्णता और मानवता को महत्व देते हैं, न कि केवल बाहरी उपलब्धियों या स्वार्थ को। भावनाएं एक व्यक्ति की अंतरात्मा का महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं, जो हमारे अनुभवों और संबंधों को गहराई प्रदान करती हैं। उनकी सच्ची समझ के लिए हमें अपनी संवेदनशीलता को जागृत करना पड़ता है और दूसरे के अंतर्मन को जानने का प्रयास करना पड़ता है। जब हम यह कर पाते हैं, तो हम न केवल अपने जीवन को समृद्ध करते हैं, बल्कि दूसरों के साथ भी एक गहरे स्तर पर जुड़ पाते हैं। अक्सर हम अपनी अपेक्षाओं और इच्छाओं को पूरा न होने पर निराश हो जाते हैं, जबकि हम यह नहीं सोचते कि कितने लोग हमारे कामों, व्यवहार और हमारी क्षमताओं से उम्मीदें रखते हैं। जब हम अपनी समस्याओं और असफलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो अक्सर यह भूल जाते हैं कि हमारे पास दूसरों के प्रति भी जिम्मेदारियां हैं। यह समझ कि हमसे कितने लोग उम्मीद रखते हैं और उनके प्रति हमारी जिम्मेदारी है, हमें अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बना सकती है। यह समझ हमें न केवल व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित करती है, बल्कि सामूहिक स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। समाज में सकारात्मक बदलाव और सुधार तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के साथ समझदारी और समर्थन के साथ पेश आते हैं। यह मान लेना कि केवल हम ही किसी खास काम को सही तरीके से कर सकते हैं, वास्तव में एक भ्रम हो सकता है। आज के समय में इतने सारे विकल्प और संसाधन उपलब्ध हैं कि बहुत सारी समस्याओं के समाधान या काम करने के तरीके अलग हो सकते हैं। यह मान्यता कि हम ही सब कुछ कर सकते हैं, कभी-कभी आत्म-सीमा की ओर इशारा करती है। हम सभी अपनी-अपनी जगह महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि अन्य लोग भी उन समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं, जिन्हें हम अभी तक नहीं सुलझा पाए हैं। यह दृष्टिकोण हमें और अधिक खुला और सहायक बनाता है और समस्याओं को सुलझाने में नए और प्रभावी तरीकों को अपनाने में मदद करता है। जब लोग मिलकर काम करते हैं और एक-दूसरे के दृष्टिकोण और भावनाओं की कद्र करते हैं, तो इससे काम की गुणवत्ता में सुधार होता है और आपसी विश्वास व समझ भी बढ़ती है। सहयोग का मतलब सिर्फ साथ काम करना नहीं, बल्कि एक-दूसरे की मदद करना और विचारों का आदान-प्रदान करना भी है।

तमाम दुष्प्रचार के बावजूद दलितों की पसंदीदा पार्टी कैसे बन गयी भाजपा?

इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया था जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। कांग्रेस की ओर से भाजपा पर अक्सर आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया जाता है। इसी आरोप की वजह से लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ा नुकसान भी हुआ और वह अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत हासिल करने से चूक गयी। लेकिन उसके बाद मोदी सरकार ने सबक लिया और एक भी ऐसा अवसर नहीं आने दिया जब दलितों के मन में अपने आरक्षण को लेकर कोई शंका हो पैदा हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की वजह से एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपीं तो मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि डॉ. भीम राव आंबेडकर के बनाये संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह स्पष्टीकरण आरक्षण के मुद्दे को लेकर समाज में भ्रम फैलाने वालों पर करारी चोट कर गया। इसके अलावा, इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। विपक्ष के इस हमले पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लेटरल भर्ती विज्ञापन को रद्द करने के निर्देश दिये। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और इसमें सुधार किया जायेगा। सरकार ने साथ ही देश को यह भी बताया कि लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्तियों की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। यह विषय भी दलितों और पिछड़ों को आश्वस्त कर गया कि मोदी के रहते आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा बयान दे दिया जिससे कि भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया। दरअसल विदेश दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने की बात कह दी। उनका यह बयान देखते ही देखते वायरल हो गया। कांग्रेस और राहुल गांधी तमाम सफाई और स्पष्टीकरण देते रहे लेकिन यह मुद्दा तूल पकड़ चुका था। राहुल गांधी के इस बयान को इस तरह से पेश किया गया जैसे कांग्रेस तत्काल आरक्षण खत्म करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद अपनी हर सभाओं में कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस कान खोलकर सुन ले... जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रत्ती भर भी लूट करने नहीं दूंगा। भाजपा ने आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान से उपजे विवाद को खूब तूल दिया जिससे कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों में नुकसान उठाना पड़ा है। अगर आप जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि भाजपा ने जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया है जबकि हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 17 में से आठ सीटों पर कब्जा किया है।

हरियाणा चुनाव: कांग्रेस का ईवीएम पर छेड़छाड़ का आरोप, 20 सीटों पर दोबारा गणना कराने की मांग

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5387

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5386

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 5387

संकेत: बाएं से दाएं
1. विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले प्रथम भारतीय गेंदबाज (5)
5. संगीत में स्वर का विस्तार, समुद्र की तरंग, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
6. अनुमान, अंदाज, अटकल (3)
7. लक्ष्मी के पति होने के कारण पुराणानुसार भगवान विष्णु का एक नाम (5)
9. नीरोग, चंगा, तंदुरुस्त (3)
11. केशलता, बालों का वह गुच्छा जो माथे पर लटके (2)
13. अवसर की प्रतीक्षा में रहना, ध्यानपूर्वक देखना (3)
14. छेद करना, आहत करना (3)
16. पुराणानुसार महर्षि विश्वामित्र के पिता और कुशिक राजा के पुत्र (2)
17. जलता हुआ, प्रदीप्त, प्रकाशमान, पुरानी फिल्मों के दिवंगत संगीतकार (3)
18. [illegible] (3)
20. पंख, डैना, [illegible] (2)
22. हाथ जोड़कर (4)
23. बेटी की बेटी यह कहलाती है (3)

ऊपर से नीचे
1. सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात, खतरे की पूर्व सूचना (4)
2. देह, काया, शरीर, बदन (2)
3. खुशबू, महक, सुगंध (3)
4. चंद्रवंश के पांचवें राजा जिनका विवाह दैत्यगुरु शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से हुआ था (3)
6. धोखा देने का भेष (5)
7. [illegible] (3)
8. इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
10. वोट देने की पात्रता (3)
12. अवाक, चुप, खामोश, चुप्पी (2)
15. [illegible] (4)
16. गीत गाने या प्रस्तुत करने वाला (3)
17. उर्दू भाषा में [illegible] को यह कहा जाता है (2)
19. प्रभु, परमेश्वर (पंजाबी) (2)
21. क्रिकेट में खिलाड़ियों का [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5386 का हल

स	त्य	ना	रा	य	ण	सि	न्हा
त्य	■	ग	ज	र	■	या	■
ना	रं	गा	■	थ	न	■	वि
रा	ध	■	मु	रा	द	■	ज
य	■	रा	■	ना	र	की	य
ण	■	ज	ज	■	■	ति	■
■	■	गु	ल	जा	र	■	ह
आ	प	स	■	वा	म	ह	स्ती

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

ड्रग्स के कितने कारखाने छिपे पड़े हैं मप्र के आंचल में..!

मंदसौर/उज्जैन, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। डॉ मोहन यादव की मध्य प्रदेश सरकार के आंचल में अभी और कितने नशीले पदार्थ बनाने वाले उद्योग किस शहर में कहां चल रहे है, बहुत ही धीमी गति से पता चल रहा है। इस पता चलने की प्रक्रिया के लिए गुजरात पुलिस एनसीबी और डीआरआई का आभार स्वीकारना पड़ेगा।

चन्द्रमोहन भगत

कारण साफ है कि अगर मध्य प्रदेश पुलिस सक्रिय होती तो प्रदेश के आंचल में नशीले पदार्थ की गंदगी इतनी दूर तक नहीं फैल पाती और ना ही गुजरात पुलिस और केंद्रीय एजेंसीयों को मोहन सरकार के मंत्रियों के इलाके में घुसकर ड्रग माफियाओं और उनके कारखाने पर छापा मार करवाई कर तस्करों को पकड़ना पड़ता। भोपाल के बागरोदा फैक्ट्री मामले में तो भाजपा कार्यकर्ता हरीश आंजना पकड़ाया था। जिसकी भाजपा अब सदस्यता बर्खास्त कर चुकी है। इसकी वित्त मंत्री के साथ फोटो निकली, तब वह पल्ला झाड़ते हुए भी भीड़ में खिंचवाया फोटो बताते हुए पहचानने से इनकार कर रहे हैं।

हरीश आंजना का उत्पत्ति क्षेत्र नाहरगढ़ थाना क्षेत्र रहा है। जबकि, दूसरे रसूखदार ड्रग्स सिंडिकेट के सदस्य प्रेमसुख पाटीदार अफजलपुर थाने के बे स्टार सरगना कहलाते थे। उनके अपने लोग थाने की पुलिसिया दबिश कार्रवाइयों के संचालन में शामिल रहते थे। थाना प्रभारी भी ऐसी कार्यवाहियों में उन्हीं को सरकारी पुलिस के साथ भेजते थे, जिन्हें बे स्टार सरगना चाहते थे। अफजलपुर थाने पर प्रेमसुख को इतना भरोसा था कि खुद ही जब समर्पण करने पहुंचा तो थाना प्रभारी समरथ सिनम के हाथ पांव कांप गए थे। पर प्रेमसुख को इतना भरोसा था कि अपने ही पांव पर गोली मार कर जख्मी होकर अस्पताल पहुंच गया। ऐसा ना करता तो प्रभारी थानेदार समरथ सिनम बे स्टार थानेदार को हाथ भी नहीं लगा पाते। प्रेमसुख पाटीदार अस्पताल में सुविधाओं के साथ समय निकाल रहे हैं। इधर भोपाल का यह मामला चल ही रहा था कि मेघनगर की एक फैक्ट्री में भी 112 किलोग्राम मेफोड्रेन मिल गया। केंद्रीय एजेंसी डायरेक्टोरेट ऑफ़ रेवेन्यू

इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने मेघनगर फार्मा प्राइवेट लिमिटेड पर छापा मार कर कच्चे माल और रसायन के साथ चार लोगों की गिरफ्तारी को अंजाम दिया है। जिसमें फैक्ट्री का डायरेक्टर भी शामिल है।

फॉरेंसिक लैब से नशीले पदार्थ की पुष्टि हो जाने पर सभी आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। मध्य प्रदेश के मंदसौर-नीमच जिले अफीम उत्पादन के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। किन्तु, इससे हानिकारक नशीले पदार्थ बना इसकी तस्करी करने वाले हरिश आंजना, प्रेमसुख पाटीदार जैसे अनेकों तस्करों ने इसकी ख्याति को कुख्याति में बदल दिया है। भोपाल के बरगोदा और मेघनगर में हुई कार्रवाई ने प्रदेश सरकार की पुलिस की कमियों को देशभर में उजागर कर दिया है। अब ऐसा लग रहा है कि जैसे मध्य प्रदेश पुलिस का ड्रग माफियाओं को संरक्षण मिला हुआ है या ड्रग माफियाओं के सरगनाओं की मेहरबानियों के सामने प्रदेश की पुलिस लाचार नजर आ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को प्रदेश पुलिस के मुखिया क्या जवाब देंगे! आंचल में बढ़ रहे नशीले पदार्थो के उत्पादन और कालाबाजारी पर सामने आ जाएगा। प्रदेश के साथ पड़ोसी राज्य गुजरात के अंकलेश्वर में भी 518 किलो कोकेन बरामद हुई है। इसके अंतरराष्ट्रीय लागत 5 हजार करोड़ रुपए बताई गई है। दिल्ली- गुजरात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी सिंडिकेट के रमेश नगर स्थित दिल्ली कार्यालय से 10 अक्टूबर को 208 किलो कोकेन बरामद की थी। बहरहाल चिंता का विषय यह है कि अन्य राज्यों की पुलिस नशीले पदार्थों के तस्करों को पकड़ने में सफल हो रही है। जबकि, मध्य प्रदेश पुलिस को तब पता चलता है, जब दूसरे राज्य की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां कारवाई को अंजाम दे चुकी होती है। इसे पुलिस विभाग की कमजोरी माने या इरादतन नजरअंदाजी..!

201 दीपक से होगी बालाजी की महाआरती, 151 थालों में सजेगा 56 भोग

बड़े बालाजी मंदिर समिति द्वारा 30 को मनाया जाएगा श्री हनुमान प्रकटोत्सव

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पुराना बस स्टेण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर देव दिवाली 30 अक्टूबर को भगवान बालाजी महाराज के प्रकटोत्सव के उपलक्ष में 56 भोग लगाया जाएगा तथा 201 दीपक से विशाल शाही महाआरती की जावेगी। इस दौरान मंदिर क्षेत्र को भगवा पताकाओं व झीलमिलाती विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा जोरों से तैयारियां की जा रही है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि दिनांक 30 अक्टूबर देव दिवाली पर प्रात: 11.30 बजे 151 थालों में 56 पकवान सजाकर बालाजी को भोग लगाया जाएगा। तत्पश्चात् सायं 7 बजे 201 दीपक से महाआरती की जाएगी। जिसमें न्यू किशोर बैंड के 101 साथी मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। महाआरती की शोभा अजयमेरू के ढोल, उज्जैन की तोप व ताशे, अहमदाबाद की शहनाई व मंदसौर के 151 ढोल बढायेंगे एवं इस दौरान भव्य रंगारंग आतिशबाजी भी की जाएगी। मंदिर समिति के विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, विनोद रूनवाल, जितेंद्र व्यास, दिनेश जोशी ऊँशांति, वर्दीचन्द कुमावत, राजाराम तंवर, कमल कण्डारे, हेमंत सुरा, चोथमल शर्मा, अनूप माहेश्वरी, अनिल सुराह, महेंद्रसिंह सिसोदिया, सज्जनलाल खमेसरा, कपिल सोलंकी, हरीश साल्वी ने सभी बालाजी भक्तों से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

श्री बालाजी धाम पर नवरात्रि व विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया

शिक्षा के क्षेत्र में कीर्ति सक्सेना व चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. सौरभ पाण्डे का किया सम्मान

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री बालाजी धाम अभिनंदन मेन कॉलोनी के परिसर में नवरात्रि पर्व व विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवरात्रि के नो दिनों तक क्षेत्र की माताओं व बहनों द्वारा परम्परागत रूप से भक्ति गीतों पर गरबा नृत्य कर माता की आराधना की। नवमी पर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर समिति की सदस्य श्रीमती कीर्ति आशीष सक्सेना को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राज्यपाल से सम्मानित होने पर समिति द्वारा सम्मानित किया। साथ ही समिति की सदस्य डॉ. सौरभ पाण्डे का चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टकार्य करने तथा उनके नर्सिंग होम राममोहन

हास्पिटल के एक वर्ष पूर्ण होने पर उनका भी समिति द्वारा सम्मान किया गया। विजयादशमी पर्व पर प्रात: कन्या भोज का आयोजन किया गया तथा सायंकाल हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। तथा उसके पश्चात् भव्य आतिशबाजी की गई तथा रावण के पुतले का दहन किया गया। इन सभी आयोजनों में समिति के सभी सदस्य, भक्तगण व क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

अहंकार घातक दुर्गुण है जो सभी सद्गुणों का नाश कर देता है-जोशी

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री ऋषियानंद आश्रम पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष श्री कृष्णकुमार जोशी ने कहा कि अहंकार घातक दुर्गुण है जो सभी सद्गुणो का नाश कर देता है। आपने कहा कि रावण ज्ञानी और तपस्वी था किन्तु उसके पास विवेक का अभाव था इस कारण वह अहंकारी हो गया तथा वासना व दुराचरण मे लिप्त हुआ। यही उसके पतन का कारण बना। श्री हनुमानजी व अंगद से उसके संवाद मे अहंकार झलकता है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि विनम्रता ऐसा सद्गुण है जो जीवन मे सभी सद्गुणो का संचार करता है। विनम्र व्यक्ति जिज्ञासु, निरभिमानी, गुणग्राही, व्यवहार कुशल व सेवाभावी होता है जो विनम्र है उसे सब उपलब्धियां मिलती है। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि श्री राम के हाथो रावण मृत्यु चाहता था इसीलिए उसने उनसे शत्रुता की। प्रभु सबका उद्धार करते है। उन्होने रावण का भी उद्धार किया। श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री भेरूलाल पटेल, श्री राजकुमार जसवंत, श्री निर्मल मच्छीरक्षक, श्री यशवंत प्रजापति ने विचार व भजन प्रस्तुत किये। श्री राजेन्द्र छाजेड, श्री नरेन्द्र खण्डेलवाल, श्री विनोद नराणिया, श्री धर्मेन्द्र चैहान, श्री नदीम बेग, बालकृष्ण दवे, निरंजन भारद्वाज ने सवांद मे सहभागिता की।

जल उपयोगिता समिति की बैठक आज

नीमच, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्य क्षता में आज 15 अक्टूबर 2024 को अपरान्ह 4.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री विमल श्रीवास्तव ने समिति के सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया है। बैठक में नीमच जिले में रबी सिंचाई के लिए लक्ष्य, तालाबों से पेयजल उपलब्ध कराने, निस्तार के लिए जल आरक्षण पर चर्चा की जावेगी।

पोस्टकार्ड अभियान में मीडिया संगठनों के प्रतिनिधि हुए शामिल

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधी चोराहा पर प्रतिदिन चल रहे पोस्टकार्ड अभियान में सोमवार को 13 वें दिन मीडिया परिवार के साथी संगठनों के प्रतिनिधि जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष नेमीचंद राठौर और युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष महावीर जैन सम्मिलित हुए।साथ ही जनकूपुरा के ऋषभ मित्र मंडल के युवकों की टोली भी अभियान में सहभागी बने।

इस अवसर पर जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने कहा कि प्रदेश के सबसे आखिरी छोर में हमारा मंदसौर जिला स्थित है शायद इसलिए सरकार की निगाहों में हमेशा यह क्षेत्र उपेक्षित ही रहता आया है। साफ तौर पर जो भौगोलिक स्थिति देखी जा रही है उसमें मंदसौर जिला मुख्यालय ही संभाग बनाने के लिए सर्वोपयुक्त है फिर भी मंदसौर की अनदेखी की जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा चिकित्सा जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भी क्षेत्र में मंदसौर को वांछित सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। राजस्व संबंधी मामलों में भी संभाग मुख्यालय दूर होने से अनेक तरह की व्यावहारिक कठिनाइयां जिले के

सुदूर क्षेत्र के गांव और कस्बों और नगरों में रहने वाले रहवासियों को आती है। मंदसौर को यदि संभाग बनाया जाता है तो स्वाभाविक रूप से अनेक सुविधाओं का विस्तार होगा जिसका लाभ आने वाली पीढी को मिलेगा। दशपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष नेमीचंद राठौर ने कहा कि मंदसौर को हर सौगात संघर्षों से ही प्राप्त होती है। ब्रॉडगेज रेलवे लाईन ओर मेडिकल कॉलेज के लिए 50 सालों से वरिष्ठ पत्रकार व समाज सेवी से सुरेंद्र लोढा के नेतृत्व में संघर्ष किया गया तब कहीं जाकर ये सौगातें हमें हासिल हुई। संभाग बनाने के लिए आमजनता सामाजिक संगठन संघर्ष कर सकते हैं वातावरण बना सकते हैं जो वे कर ही रहे हैं किंतु राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी स्पष्ट देखी जा रही है जिसके बिना यह संघर्ष सफल होना संभव नहीं है। युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष महावीर जैन ने कहा कि जनता और सामाजिक संगठनों का यह आंदोलन भावनात्मक धरातल पर तो चल ही रहा है किंतु इस आंदोलन को और जनता की भावना को एक प्रक्रिया के तहत शासन तक पहुंचाना आवश्यक है। जिला योजना समिति में मंदसौर को संभाग बनाने का प्रस्ताव लाया जाना चाहिए साथ ही नगर पालिका परिषद भी यह प्रस्ताव पास कर शासन को भेजे। जनता मांग कर सकती है आंदोलन कर सकती है अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त कर सकती है किंतु शासन तक निश्चित प्रक्रिया के माध्यम से ही यह मांग पहुंचाई जा सकती है और यह दायित्व जन प्रतिनिधियों का है जो उन्हें निभाना चाहिए। जनता की भावना और क्षेत्र की बेहतरी के लिए जनप्रतिनिधियों को इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश जैन ने कहा कि यह इस क्षेत्र का अत्यंत ही दुर्भाग्य रहा है कि राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास और उन्नति के लिए अपनी ओर से कभी कोई ठोस पहल नहीं की हमेशा हर सौगात के लिए जनता को ही मैदान में आना पडता है। जो काम जनप्रतिनिधियों का है वह जनता और सामाजिक संगठनों को करना पड रहा है। जनकुपुरा युवा मित्र मंडल के अध्यक्ष ऋषभ चोरडिया ने कहा कि नगर और क्षेत्र की हम युवा पीढी के लिए यह बहुत ही सौभाग्य की बात है कि हमारे नगर के वरिष्ठमानव भाव और सामाजिक संगठन संभाग बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिसका लाभ निश्चित रूप से आने वाले समय में युवा पीढी को मिलेगा। गांधी चौराहा पर प्रतिदिन चल रहे पोस्टकार्ड अभियान के 13 दिन नगर के सक्रिय समाजसेवी राजाराम तंवर, विनय दुबेला मनोज जैन, नटवर भाई पारिख, तथा ऋषभ चौरडिया मित्र मंडल के सर्वश्री अमित वर्मा, संयम चोरडिया, संस्कार सांवरिया, अनमोल पटेल, आयुष चौहान, युगम चोरडिया, संयम जैन, अभिषेक राठौर, नयन कुमावत राहुल रामचंदानी, शौर्य मित्तल, कबीर आडा, जिग्नेश चौधरी, जेदी ,विदित कंठाली आदि सम्मिलित हुए। मंदसौर नागरिक मंच द्वारा चलाए जा रहे प्रतिदिन पोस्टकार्ड अभियान में अपनी सेवाएं देने वाली श्रीमती सीमा चोरडिया अजीजुल्ला खान खालिद, बंसीलाल टांक, राधेश्याम मालवीय ने बताया कि पोस्टकार्ड अभियान में 13 दिन नगर किया युवाओं ने अपार उत्साह प्रदर्शित किया और लगभग 200 पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री के नाम मंदसौर की संभाग बनाने की मांग को लेकर लिखे। मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल व ब्रजेश जोशी ने बताया कि पोस्टकार्ड अभियान के 14 वें दिन दशपुर अकाउंट एसोसिएशन के प्रतिनिधि गण अभियान में सहभागी बनेंगे।

विनर क्लब ने आयोजित की रंगोली प्रतियोगिता

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था विनर क्लब मातृशक्ति ग्रुप द्वारा दीप पर्व के पूर्व अग्रसेन मांगलिक भवन में रंगों की प्रतियोगिता रंगोली आयोजित की गई। जिसमें 16 महिलाओं/बालिकाओं विभिन्न रंगों से आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जिसमें प्रथम सुश्री भव्या पालीवाल, द्वितीय सुश्री गुंजन जैन एवं तृतीय सुश्री प्राची कुमावत रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेविका श्रीमती ज्योति गुप्ता, चाष्ट सेवा संस्था संस्थापक श्रीमती चंदा चाष्ट, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती अनिता जोशी, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला पारीख उपस्थित रही। इस दौरान निर्णायक श्रीमती रेखा पोरवाल, श्रीमती दीप्ति व्यास, सुश्री आशी गोयल, सुश्री भावना लोहार, विनर क्लब मातृशक्ति वाहिनी की वरिष्ठ सुनीता कुमावत, मधु नाराणिया, शशि झलोया भी मंचासीन थी। सभी अतिथियों को पुष्पमाला पहनाकर क्लब की मातृशक्ति ने स्वागत किया। तथा निर्णायक को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

आशा/आशा सुपरवाईजर कर्मचारी महासंघ ने दिया 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आशा/आशा सुपरवाइजर कर्मचारी महासंघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) जिला इकाई मंदसौर द्वारा महासंघ के राष्ट्रव्यापी आव्हान के तहत 14 अक्टूबर को आशा/आशा सुपरवाईजर की समस्याओं के सम्बन्ध में महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती भारती सोलंकी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन जिलाधीश प्रतिनिधि संयुक्त कलेक्टर स्वाती तिवारी को ज्ञापन दिया गया।

महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती भारती सोलंकी ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन देश में लगभग 11 लाख आशा वर्कर्स एवं लगभग 1 लाख आशा सुपरवाईजर कार्यरत हैं, इसमें से मध्यप्रदेश में लगभग 85 आशा वर्कर्स एवं आशा सुपरवाईजर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों के स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी सर्वे टीकाकरण, स्वच्छता,

जच्चा-बच्चा देखभाल संस्थागत प्रसव कराने के अलावा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित 4 दर्जन से अधिक पदों में कार्य करती है जिसके लिए इन्हे कोई मानदेय अथवा वेतन नहीं दिया जाता बल्कि अल्प प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है। आशा/आशा सुपरवाईजर के कार्यों से स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है। स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। इनके कार्यों की प्रसंशा करते हुए सरकार एवं समाज दोनों इन्हें स्वास्थ्य विभाग के रीढ की हड्डी मानते है लेकिन यह भी सच है कि सरकारों ने इनकी जीविका एवं परिवार के भरण-पोषण पर उचित ध्यान नहीं दिया है। बावजूद इसके कोविड के दौरान आशा/आशा सुपरवाईजर खुद को खतरे में डालकर पुरी ईमानदारी व लगन के साथ सरकार के आदेशों का पालन किया और समाज को कोविड से बचाने में अहम भूमिका अदा की। ज्ञापन में आशा/आशा सुपरवाईजर का जीवन स्तर सुदृढ करने हेतु मांग की कि आशा/आशा सुपरवाईजर को राज्य कर्मचारी घोषित करते हुए आशा कार्यकर्ता को न्यूनतम 18 हजार रू. तथा आशा सुपरवाईजर का न्यूनतम 24000 रू. प्रतिमाह वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इस भुगतान के प्रभावी होने तक वर्तमान प्रोत्साहन राशि का 2 गुना करके भुगतान सुनिश्चित किया जाय। आशा सुपरवाईजर को 20 दिन के स्थान पर राज्य कर्मचारी की भांति 30 दिन का भुगतान किया जाए। आशा/आशा सुपरवाईजर का नि:शुल्क बीमा किया जाय तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर 15 लाख रु का भुगतान मुआवजा के रूप में दिया जाय। रिटायरमेंट बेनिफिट के रूप में एकमुश्त रूपया 10 लाख का भुगतान किया जाए एवं पेंशन लागू की जाये। अनुभवी आशा/आशा सुपरवाईजर को टीकाकरण के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाय। उम्र का बंधन हटाते हुए योग्यताधारी आशा सुपरवाईजर को ए.एन.एम. तथा आशा को आशा सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाय। आशा सुपरवाईजर कर्मचारियों को विजिट हेतु इलेक्ट्रिक स्कूटी प्रदान किया जाय। आशा/आशा सुपरवाईजर बहनों को प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास सुविधा प्रदान किया जाय। इस अवसर पर महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष भारती सौलंकी, जिला संयोजक संतोष साल्वी, जिलाध्यक्ष रेखा बैरागी, संगठन कोषाध्यक्ष निधि पारिख, अमोलक जोशी, ललिता वप्ता, अन्नपूर्णा धूलिया, अनु अहिरवार, मुनव्वर सुल्ताना खान, दर्शना चावडा, मोना कहार आदि अन्य आशा बहने उपस्थित रही।

रठाना में नि:शुल्क साइकिल वितरण की

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। हायर सेकेण्डरी स्कूल रठाना में बाहर गांव से आने वाले छात्राओं को शासन द्वारा प्रदत्त नि:शुल्क साइकिल प्रदान की गई। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा द्वारा छात्रों को माला पहनाकर साइकिल प्रदान की गई। उन्होनें कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजना में इस योजना का उद्देश्य है कि छात्र-छात्राएं विशेष कर बालिकाएं अपनी पढाई बीच में नहीं छोडे अपने गांव के समीप के हायर सेकेण्डरी स्कूल में जाकर अपनी पढाई निरंतर जारी रख सकेगी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय केप्राचार्यशिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बालिकाएं उपस्थित थे।

बाछड़ा समुदाय के सभी गांवों से हितग्राहियों को चिन्हित कर स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाएं-चंद्रा

कलेक्टर ने जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में बाछड़ा समुदाय के उत्थान एवं कल्या ण के लिए संचालित पंख अभियान नीमच के तहत बाछड़ा समुदाय के हितग्राहियों को चिन्हित कर, उन्हें सूचीबद्ध करें और शासन द्वारा संचालित योजनाओं, स्वंरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। प्रत्येक ग्राम पंचायत से बाछड़ा समुदाय के पांच-पांच युवाओं को वालिन्टियर्स के रूप में तैयार कर, उन्हें पंख अभियान से जोड़े, जो सकारात्मक सोच के साथ समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के काम में प्रशासन का सहयोग करें। यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को बेटी बचाओं, बेटी पढाओं योजना के तहत संचालित पंख अभियान की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ताराचंद मेहरा सहित सभी परियोजना अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारी भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्वराज सूटिंग्स प्रा.लि.के प्रतिनिधि को पिछले दिनों बाछड़ा समुदाय के पांच युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।

बैठक में कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए, कि वे पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों के माध्यम से सर्वे करवाएं कि ऐसी कौन सी योजनाएं है, जिनका लाभ इस समुदाय के हितग्राहियों को नहीं मिला है। ऐसे हितग्राहियों को चिन्हित एवं सूचीबद्ध कर, उन्हें लाभांवित करवाएं। कलेक्टर ने वालिन्टियर्स की जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित कर, उन्हें

शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक एवं स्वरोजगारमूलक योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने शाला प्रवेश से वंचित एवं शाला त्यागी छात्र, छात्राओं को चिन्हित कर, उन्हें शाला में प्रवेश दिलाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा, कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बाछड़ा समुदाय की चयनित महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें और प्रशिक्षण दिलवाएं। साथ ही सेना व पुलिस में भर्ती के इच्छुक समुदाय के युवाओं को शारीरिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्थां करें। स्वराज सूटिंग्स प्रा.लि.के प्रतिनिधि ने अपनी वस्त्र परिधान ईकाई में एक शिफ्ट समुदाय की महिलाओं के लिए निर्धारित करने और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने की सहमति दी। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने प्रशासन द्वारा संचालित पंख अभियान को अच्छी पहल बताते हुए कहा, कि इसके दूरगामी परिणाम परिलक्षित होंगे। उन्होने कहा, कि व्यवहार परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से करना होगी। उन्होने अभियान से जुड़े सभी लोगो, अधिकारियों से कहा, कि वे व्यवहार परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से करें। लक्ष्य निर्धारित कर काम करेंगे, तो बेहतर परिणाम मिलेंगे। एस.पी. ने सेना व पुलिस भर्ती के लिए युवाओं को पुलिस लाईन में नि:शुल्क फिजिकल टेस्ट की तैयारी पुलिस विभाग की ओर से करवाने की बात भी कही।

एक दिवसीय गरबा प्रतियोगिता सम्पन्न

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सप्तमी महोत्सव समिति द्वारा एक दिवसीय फ्री स्टाईल गरबा प्रतियोगिता का आयोजन पावागढ माताजी मंदिर पर सम्पन्न हुआ। जिसमें करीब 20 गुरप ने गरबे की प्रस्तुति दी, प्रथम पुरस्कार सांई महिला समिति, द्वितीय सिद्धि विनायक नव दुर्गा गरबा मंडल, तृतीय फोर एवर गुरप एवं चौथा पुरस्कार मोरनी गुरप को दिया। कपल में प्रथम पुरस्कार अक्षय-अक्षिता यति, द्वितीय कमल-रश्मि शर्मा, तृतीय कमलेश-बंटू भूत को दिया। महिला में प्रथम पुरस्कार दीपिका पोरवाल को दिया। सुन्दर वेशभूषा में प्रथम साक्षी शर्मा, द्वितीय सलोनी मांदलिया रही। निर्णायक मंडल में वंदना जैन जावरा, वैभवी शर्मा सीतामउ, दिप्ती शर्मा व सीमा शर्मा मंदसौर थी। कार्यक्रम आकर्षक आतिशबाजी की गई, महाआरती व महाप्रसादी का आयोजन भी हुआ। इस अवसर पर बडी संख्या में सप्तमी महोत्व व पावागढ माताजी मंदिर समिति सदस्य, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन हरिप्रसाद गेहलोत ने किया। आभार डॉ. अश्विन यति ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	350	2083	2670
उडद	163	53000	7115
सोयाबीन	4500	3550	4525
गैहु	2700	2660	3261
चना	156	6250	7051
मसुर	114	5000	6211
धनिया	310	5101	6941
लहसुन	9960	11500	31501
मैथी	655	5111	6026
मुंगफली	3900	3800	5500
अलसी	1385	5661	6281
सरसो	150	5680	5992
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	12	9500	12400
प्याज	925	1000	4000
कलोंजी	5	7980	17700
तुलसी बीज	000	0000	0000
डॉलर	21	8901	12000
तिल्ली	20	11000	12200
जौ	25	2520	2600
मटरसुखी	8	4611	6601
असालीया	15	9001	12790
मूंग	4	3000	4353

रिश्तों की अहमियत और भारतीय संस्कृति का क्षरण

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। समय के साथ-साथ हमारी जीवनशैली में बड़े बदलाव आए हैं। मकान बड़े हो रहे हैं, लेकिन रिश्ते छोटे हो रहे हैं। कभी वह समय था जब एक कच्चे मकान में दर्जनों लोग एक साथ हंसी-खुशी रहते थे। हर कोने में रिश्तों की गर्माहट थी, हर पल में अपनापन झलकता था। काका, चाची, ताऊ, ताई जैसे रिश्ते परिवार की नींव होते थे। लेकिन आज के पक्के मकानों में बस पति-पत्नी और एक बच्चा रह गए हैं। जैसे-जैसे मकान बड़े और आधुनिक हो रहे हैं, वैसे-वैसे रिश्तों की दीवारें छोटी होती जा रही हैं।

नेमीचंद राठौर

रिश्तों का बदलता स्वरूप–पहले एक व्यक्ति परिवार की जिम्मेदारी उठाता था, और उसका साथ देने के लिए पूरे परिवार का हाथ होता था। वह एक कमाता था, और दर्जन भर लोग उसके सहारे रहते थे। पर आज जब लगभग हर सदस्य कमाने में सक्षम है, तो भी मां-बाप को पालने में कठिनाई महसूस होती है। ऐसा लगता है कि भारतीय संस्कार और संस्कृति धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही है। हम 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा को भूलकर एकल परिवार की ओर बढ़ रहे हैं, जो न केवल हमारे पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है, बल्कि हमारी सामूहिकता और एकजुटता को भी कमजोर कर रहा है।

भारतीय संस्कृति पर पश्चिमी प्रभाव–भारतीय संस्कृति की बुनियाद रिश्तों और परिवार पर आधारित रही है। यहां 'परिवार' सिर्फ खून के रिश्तों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को एक दूसरे के साथ जोड़ा गया। काका, चाची, ताऊ, ताई जैसे रिश्ते केवल नाम नहीं थे, बल्कि वे एक संरचना थे, जो पूरे परिवार को जोड़े रखते थे। परंतु पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमें 'व्यक्तिवादी' बना दिया है। जहां पहले 'हम' की भावना थी, वहां आज 'मैं' ने जगह ले ली है। पश्चिमी संस्कृति के साथ आने वाली आधुनिकता ने हमें भौतिक सुख-सुविधाओं में तो लिप्त कर दिया है, लेकिन इसके साथ ही हमारी भावनात्मक और पारिवारिक जड़ों को कमजोर कर दिया है। जीवन में आगे बढ़ने की दौड़ ने हमें अपनों से दूर कर दिया है। यही कारण है कि आज हम बड़ी इमारतों में रहते हुए भी अकेलेपन से जूझ रहे हैं।

संभलने का समय–अभी भी समय है कि हम इस दिशा में सोचें और अपनी संस्कृति को बचाने का प्रयास करें। भारतीय संस्कृति की पहचान उसके रिश्तों और सामाजिक एकता में है। हमें अपने बच्चों को रिश्तों की अहमियत सिखानी होगी। उन्हें यह बताना होगा कि रिश्ते सिर्फ नाम के नहीं होते, बल्कि ये जीवन की नींव होते हैं। बच्चों को यह सिखाना होगा कि परिवार के बड़े-बुजुर्गों का सम्मान और देखभाल हमारी जिम्मेदारी है। यह भी बताना होगा कि खुशी केवल व्यक्तिगत सफलता में नहीं, बल्कि सामूहिक आनंद में होती है। हमें अपने जीवन में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को पुनर्जीवित करना होगा, जहां हर व्यक्ति को परिवार का हिस्सा माना जाता है। भारतीय संस्कृति में रिश्तों की अहमियत सबसे अधिक रही है। यह समय की मांग है कि हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करें और आने वाली पीढ़ियों को इसका महत्व समझाएं। यदि हम रिश्तों को समझेंगे, उनका सम्मान करेंगे, तो न केवल हमारे परिवार मजबूत होंगे, बल्कि हमारा समाज भी एकजुट रहेगा।

सरकार का बड़ा फैसला, आज से 1 जनवरी तक पटाखों पर लगाया बैन, नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। दिल्ली सरकार ने सोमवार को आदेश जारी करते हुए 1 जनवरी तक पटाखे के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर रोक लगा दी है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा यह पत्र जारी किया गया है।

सोशल मीडिया के माध्यम से भी गोपाल राय ने पत्र को पोस्ट करते हुए लिखा है कि सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आज से 1 जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री व उपयोग पर प्रतिबंध लागू। प्रतिबंध को लेकर दिल्ली सरकार ने जारी किया निर्देश। सभी दिल्ली वालों से सहयोग का अनुरोध। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा जारी किए गए पत्र के मुताबिक वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31 (ए) के तहत दिल्ली के एनसीटी में विनिर्माण, भंडारण, बिक्री (ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिलीवरी सहित) और सभी प्रकार के पटाखों को फोड़ने पर प्रतिबंध लगाए जा रहा है। दिल्ली सरकार ने 1 जनवरी 2025 तक सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री (ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिलीवरी सहित) और उन्हें फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। दिल्ली पुलिस को निर्देशों को लागू करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली सरकार ने इस पत्र की कॉपी सभी विभाग और दिल्ली के उपराज्यपाल दफ्तर को भी भेजी है। गौरतलब है कि लगातार अब वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है और एक्यूआई खतरनाक स्थिति में पहुंचने लगा है। दिल्ली ही नहीं बल्कि नोएडा और गाजियाबाद समेत आसपास के इलाकों में एक्यूआई खतरनाक लाल निशान के पार पहुंच गया है। आने वाले समय में यह प्रदूषण और भी ज्यादा बढ़ेगा और इससे आम जनता को सांस लेने संबंधी समस्याएं भी शुरू हो जाएंगी।

सड़क दुर्घटना में प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सडक दुर्घटना के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जानकारी के अनुसार गत् 2 अक्टूबर 2024 को पिपलियामंडी चौपाटी पर बाइक (एमपी 14 एमजेड 0386) को बाइक (एमपी 44 एमजी 6914) ने टक्कर मार दी थी। इसमें बाइक सवार सोकड़ी निवासी रामचन्द्र मोगिया घायल हो गया था, जिसे मंदसौर भर्ती कराया था। घुटने का ऑपरेशन कराने के बाद रामचन्द्र की शिकायत पर सोमवार को पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक पर केस दर्ज किया।

शराब के नशे में पीटा

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शराब के नशे में मारपीट करने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। सनावदा नई आबादी निवासी विजयसिंह राजपूत ने पिपलियामंडी थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं कुलदीप पिता दशरथ भील के साथ बातचीत कर रहा था, इसी दौरान सोनू पिता जालमसिंह राजपूत शराब के नशे में आया और बोला कि मुझे देखकर क्या बातचीत कर रहे हो। गाली-गलौज करने लगा व मारपीट की व पत्थर से सिर पर मार दी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने सोनूसिंह पर केस दर्ज किया।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 को साकार करेगी खनन कॉन्क्लेव-मुख्यमंत्री

नीमच, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी विकसित भारत-2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए राज्य सरकार द्वारा 17-18 अक्टूबर 2024 को भोपाल में खनन कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। यह महत्वपूर्ण आयोजन राज्य में खनन, तेल, गैस और खनिज आधारित उद्योगों की व्यापक संभावनाओं को प्रदर्शित करेगा, जो विकास की रीढ़ के रूप में कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, खनिज संसाधनों से समृद्ध राज्य है और देश के खनन क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह देश का एकमात्र राज्य है जो हीरे का उत्पादन करता है साथ ही मैंगनीज और तांबा अयस्क के उत्पादन में भी अग्रणी है, जो विभिन्न औद्योगिक उपयोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा राज्य रॉक-फॉस्फेट उत्पादन में दूसरे, सीमेंट उद्योग के लिए आवश्यक चूना पत्थर उत्पादन में तीसरे और कोयला उत्पादन में चौथे स्थान पर है। कोल-गैस के उत्पादन में भी राज्य दूसरे स्थान पर है, जो वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और स्थिरता की दिशा में उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉन्क्लेव से मध्यप्रदेश सरकार राज्य को खनन और खनिज-आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाने के लिये की पहल कर रही है। इससे राज्य में आर्थिक संमृद्धि और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सभी हितधारकों, उद्योगपतियों और खनन क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल होने के लिये आमंत्रित किया गया है।

भोपाल में दो दिवसीय खनन कॉन्क्लेव 17-18 अक्टूबर को

इनकी रहेगी विशेष उपस्थिति–खनन कॉन्क्लेव में केंद्रीय खनन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री एस.सी. दुबे और सचिव केन्द्रीय खान मंत्रालय श्री वी.एल. कांता राव शामिल होंगे, जो राज्य में खनन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिये केन्द्र सरकार की ओर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएंगे इस कार्यक्रम में 600 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। इसमें एन.सी.एल, एच.सी.एल, एन.एम.डी.सी., ओ.एन.जी.सी., और जी.ए.आई. एल जैसी प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि और अन्य राज्यों के उद्योगपति शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव खनिज कंपनियों, उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाएगा, जिससे सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा। इस आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश के समृद्ध खनिज संसाधनों को प्रदर्शित करना है, जिससे राज्य में निवेश को आकर्षित किया जा सके। इसमें कोयला, चूना पत्थर, तेल और गैस, सहित अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की संभावनाओं पर चर्चा होगी। साथ ही खनन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग की भूमिका पर भी जोर दिया जाएगा। इस आयोजन में डिजिटल परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें खनन कार्यों में ऑटोमेशन के साथ एआई और मशीन लर्निंग के उपयोग पर चर्चा होगी। कोल गैस (CBM) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की संभावनाओं का भी अन्वेषण किया जाएगा। सीमेंट, ऊर्जा, और खनिज-आधारित उद्योगों से संबंधित मुद्दों पर गहन चर्चा के लिए एक राउंड टेबल मीटिंग भी होंगी। कॉन्क्लेव में कई संस्थानों के साथ एमओयू भी होंगे, जो राज्य के खनन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए निवेश प्रस्तावों को औपचारिक रूप देंगे।

एचआईवी एडस जागरूकता अभियान का समापन

नीमच, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एचआईवी एवं एसटीआई सघन जागरूकता अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला नोडल अधिकारी डॉ.मनीष यादव के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद के निर्देशन में जिला चिकित्सालय नीमच के जिला चिकित्सालय के आईसीटीसी और एसटीआई परामर्शदाता द्वारा सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। जिसमे पंचायत एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय कर एचआईवी, एसटीआई के प्रति जागरूकता की गतिविधियाँ आयोजित की गई। इसी कड़ी में सीआरपीएफ के मेस क्लब में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के समापन अवसर पर सीएमएचओ डॉक्टर दिनेश प्रसाद ने संबोधित करते हुए कहा कि एचआइवी और एड से हमे बचना चाहिए ये जीवन के लिए बिना उपचार घातक सिद्ध होती है। यदि जानकारी मिले, तो तत्काल उपचार करवाना चाहिए। एसटीआई परामर्शदाता श्री पलाश माने ने सीआरपीएफ के अधिकारियों और कर्मचारियों को सरल आसान और रोचक तरीके से एचआईवी एसटीआई और रक्तदान के महत्व तथा शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी एवं एचआईवी सिफिलस जांच के लिए प्रेरित किया। टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में भी बताया। परामर्शदाता ने एचआईवी के फैलाव और बचाव की जानकारी। अंत में अधिकारियों और उपस्थित कर्मचारियों के प्रश्नोंक का समाधान किया गया। अंत में आभार सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट श्री जी.दिनेश ने व्यक्त किया।

दत्तोपंत ठेंगड़ी की पुण्यतिथि पर किया स्मरण

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच सहित अनेक संगठनों के शिल्पकार राष्ट्रऋषि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी की 20 वीं पुण्यतिथि स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाई गई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्री दत्तोपंत महान स्वतंत्रता सेनानी, मजदूरों व किसानों के महान हितचिंतक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ व स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक रहे। उन्होंने ने वैश्वीकरण को आर्थिक स्वरूप में सीमित न रहकर मानव केंद्रित आवरण देने का आह्वान किया। वह कहते थे कि समावेशी और वांछनीय प्रगति और विकास के लिए एकात्म दृष्टिकोण बहुत जरूरी है। वर्तमान में दुनियाभर में उपभोक्तावाद जिस आक्रामकता से बढ़ रहा है, उससे आर्थिक असमानता चरम पर है। इसके समाधान के लिए ठेंगड़ी जी ने हिंदू जीवन शैली और स्वदेशी को विकल्प बताया। ठेंगड़ी जी कहते हैं, हमें अपनी संस्कृति, वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य के लिए आकांक्षाओं के आलोक में प्रगति और विकास के अपने माडल की कल्पना करनी चाहिए। विकास का कोई भी विकल्प जो समाज के सांस्कृतिक मूल को ध्यान में रखते हुए नहीं बनाया गया हो, वह समाज के लिए लाभप्रद नहीं होगा। इस अवसर पर विभाग विस्तारक दिलीप व्यास, जिला संयोजक अंकुश पालीवाल, जिला सहसंयोजक दिलीप चौधरी, महेंद्र सिंह राजावत, तहसील संयोजक अभिजीत सिंह मंडलोई, सतीश बैरागी, सुमित गुप्ता सहित स्वदेशी जागरण मंच से जुड़े लोगों ने श्री दत्तोपंत के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाराजा अजमीढ़ देवजी जयंती समारोह 17 को

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज मंदसौर द्वारा महाराजा अजमीढ देवजी जयंती समारोह 17 अक्टूबर, गुरूवार को भव्य रूप से मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कारूलाल सोनी, प्रदेश महामंत्री पृथ्वीराज सोनी, समाज के जिलाध्यक्ष एवं स्वर्णकला बोर्ड सदस्य अजय सोनी (कॉलोनाईजर), शहर पंचायत के अध्यक्ष अर्जुन डाबर, जनकपुरा पंचायत के अध्यक्ष विजय सोनी मेलखेडावाला ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्री पशुपतिनाथ की पावन नगरी मंदसौर में श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के संस्थापक व आराध्य देव महाराजाधिराज अजमीढ देवजी की जयंती पर 17 अक्टूबर, गुरूवार को दोप. 12.15 बजे विशाल शोभायात्रा माँ लालबाई फूलबाई चारभुजानाथ मंदिर शहर से निकाली जाएगी जो शहर किला रोड, सराफा बाजार, सदर बाजार, घण्टाघर, कालाखेत, नयापुरा, नरसिंहपुरा होते हुए हाटकेश्वर भवन पहुंचेगी। श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज मंदसौर के जिलाध्यक्ष अजय सोनी (कॉलोनाईजर) ने समस्त समाजजनों से अपील की है कि 17 अक्टूबर, गुरूवार को अपना व्यवसाय बंद रखकर श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के संस्थापक व आराध्य देव महाराजाधिराज अजमीढ देवजी की विशाल शोभायात्रा एवं स्नेहभोज में सपरिवार अवश्य पधारें।

बेटे व बहू पर मारपीट का प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन बंटवारे के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने बेटे, बहू पर केस दर्ज किया। नाहरगढ थाने पर कयामपुर निवासी रामनारायण माली ने शिकायत दर्ज कराई कि जमीन विवाद को लेकर बेटे अशोक व बहू माया ने गाली-गलौज की व मारपीट की व पत्थर की सिर पर मारी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने बेटे, बहू पर केस दर्ज किया।

NAME CHANGE

I FARIDA Holder of passport no. K9085298 issued at Bhopal on 11/12/2012,Permanent resident of 42 Burhani nagar Mandsaur m.p. 458001 do hereby change my name from FARIDA to FARIDA (Given name) TINWALA (as surname) with immediate effect.

Sincerely
FARIDA TINWALA W/O MOHAMMAD TINWALA
42 BURHANI NAGAR MANDSAUR M.P. 458001

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने तीन संस्थानों से लिए मावे के सेम्पल

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 14 अक्टूबर सोमवार को कार्यवाही के दौरान तीन संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 14 अक्टूबर सोमवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के ग्राम साखतली में सांवलिया मावा भट्टी, हरिओम मावा भट्टी और गोविन्ददास बैरागी के यहां से मावे का नमुना लिया गया हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

* पूजारी चाहिए *
श्री हरिहर धाम
वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर
मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।
** संपर्क समय **
दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक
मो. 9424033322, 9425105927

मप्र में जहां काम नहीं आ रहीं मशीनें, वहां से लेकर जरूरतमंद अस्पताल को सौंपी जाएंगी

इंदौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में ऐसी सैकड़ों मशीनें हैं, जिनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। ये मशीनें कमरों में पड़ी धूल खा रही हैं। कई जगह वजह यह बताई जा रही है कि नया बजट मिलने के कारण नई मशीन खरीद ली गई है और अच्छी-भली मशीन को पुरानी बताकर उसे बंद कर दिया गया। इस स्थिति को देखते हुए अब प्रदेशभर के अस्पतालों में ऐसी मशीनों का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। यानी उद्देश्य यह कि जिन अस्पतालों में इनकी जरूरत है, वहां स्थानांतरित किया जाएगा।

अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों से मांगी मशीनों की जानकारी–भोपाल से चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों व अस्पतालों को पत्र भेजकर अस्पतालों में उपलब्ध तथा काम नहीं आ रहीं सभी मशीनों की जानकारी मांगी गई है। साथ ही यह भी जानकारी मांगी गई है कि किन मशीनों की कहां आवश्यकता है।

छोटे शहरों के अस्पतालों में काम आ सकेंगी ये मशीनें–यह जानकारी मिलने के बाद जहां मशीनें बेकार पड़ी हैं, उन्हें वहां भेजा जाएगा, जहां उसकी आवश्यकता है। इससे प्रदेश के बड़े शहरों के मेडिकल कॉलेजों व अस्पतालों में धूल खा रही मशीनें छोटे शहरों के अस्पतालों या मेडिकल कॉलेजों में काम आ सकेंगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश–इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा सभी मेडिकल कॉलेजों को निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि मशीनों को संचालित करने के लिए जो भी उपकरण लगते हैं, उन्हें पहले से ही खरीद लें ताकि मरीजों को असुविधाओं का सामना न करना पड़े। साथ ही डॉक्टरों के लिए निर्देश हैं कि सीटी स्कैन और एमआरआई के प्रिस्क्रिप्शन स्पष्ट लिखे जाएं।

कई अस्पतालों में मशीनों की आवश्यकता–मध्य प्रदेश के कई अस्पतालों में मशीनों की आवश्यकता है। खासतौर पर जो नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, वह कम संसाधनों के बीच संचालित हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि कई छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता है।

बजट की कमी के कारण ग्रामीण अस्पताल नहीं खरीद पा रहे मशीन–बजट की कमी के चलते ग्रामीण अस्पताल इन्हें खरीद नहीं पा रहे हैं। ऐसे में बड़े शहरों के अस्पतालों और मेडिकल कालेजों में काम नहीं आ रहीं मशीनों को वहां स्थानांतरित किया जाएगा, जहां उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। इससे उन क्षेत्रों के मरीजों को सुविधाएं मिलने लगेंगी। अभी सुविधा के अभाव में कई जांचों के लिए मरीजों को बड़े शहरों में आना पड़ता है।

आर्य समाज के निर्वाचन सर्वानुमति से सम्पन्न

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदिर मंदसौर में 13 अक्टूबर 2024 में आर्य समाज संभाग रतलाम के संभागीय प्रधान श्री बंशीलाल आर्य की उपस्थिति में आर्य समाज मंदसौर के निर्वाचन सर्वानुमति से सम्पन्न हुए। निर्वाचन में अध्यक्ष (प्रधान) श्री मधुसूदन आर्य, उपप्रधान सुश्री सुधा शर्मा, श्री सूर्यप्रकाश गुप्ता, मंत्री श्री राजेश पालीवाल, उपमंत्री श्री दयानन्द आर्य, कोषाध्यक्ष श्री डालूराम लिलोरिया, पुस्तकाध्यक्ष श्री नारायणलाल चौधरी, प्रचार मंत्री श्री सुरेन्द्र भाटी, आर्यवीर दल श्री जयवर्धन पाटीदार, श्री सुनील गुप्ता, सभा प्रतिनिधि श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, श्री महेश शर्मा, श्री सुनील गुप्ता, छात्रावास अधीक्षक श्री जयवर्धन पाटीदार निर्विरोध बनाये गये।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मंदसौर

महू-नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail-: eephedmas@mp.nic.in

NIT NO. 02/2024-25

क्रमांक-2744/व.ले.लि./का.यं./2024 मंदसौर, दिनांक - 07.10.2024

निम्नलिखित कार्य आमंत्राण सूचना वेबसाईट www.mptender.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

टेण्डर आई.डी.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयें में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्राण क्रमांक	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2024_PHED_375623_1	मंदसौर जिले के विकासखंड मंदसौर में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैंड पंप मैकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना	1677340.00	1. 33547.00 2. प्रथम आमंत्राण	12 माह	23.10.2024 17.30 तक
2024_PHED_375631_1	मंदसौर जिले के विकासखंड सीतामऊ में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैंड पंप मैकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना	1607650.00	1. 32153.00 2. प्रथम आमंत्राण	12 माह	23.10.2024 17.30 तक
2024_PHED_375632_1	मंदसौर जिले के विकासखंड मल्हारगढ़ में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैंड पंप मैकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना	929900.00	1. 18598.00 2. प्रथम आमंत्राण	12 माह	23.10.2024 17.30 तक
2024_PHED_375633_1	मंदसौर जिले के विकासखंड भानपुरा में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैंड पंप मैकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना	927912.00	1. 18558.00 2. प्रथम आमंत्राण	12 माह	23.10.2024 17.30 तक
2024_PHED_375634_1	मंदसौर जिले के विकासखंड गरोठ में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैंड पंप मैकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना	1093184.00	1. 21864.00 2. प्रथम आमंत्राण	12 माह	23.10.2024 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाईन उक्त बेवसाईट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(पी.के. गोगादे)
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. खंड, मंदसौर
फोन नं.-07422232190

G-17653/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in